प्रेस विज्ञप्ति

08 अप्रैल**, 2018**

‘‘आज पूरा पंचकुला कांग्रेसमय हुआ दिखा’’

‘‘खट्टर सरकार ने हरियाणा के युवाओं की मेहनत, सपनों व अरमानों से विश्वासघात किया है। झूठी ईमानदारी का स्वांग रचने वाली खट्टर सरकार में नौकरियों की मंडी लगती रही और युवाओं का भविष्य बिकता रहा। हरियाणा के सबसे बड़े नौकरी भर्ती घोटाले से यह साफ हो गया है। क्या कारण है कि मुख्यमंत्री, श्री खट्टर कर्मचारी चयन आयोग को बर्खास्त करने से घबरा रहे हैं। क्या कारण है कि भाजपा सरकार, भर्ती घोटाले की निष्पक्ष न्यायिक जांच से पल्ला झाड़ रही है? क्या कारण है कि एक साल से पुलिस व सरकार की जानकारी के बावजूद नौकरियां बिकती रहीं और मुख्यमंत्री आंख मूंदे रहे? समय आ गया है कि या तो मुख्यमंत्री, श्री खट्टर कर्मचारी चयन आयोग को बर्खास्तकर निष्पक्ष जांच करवाएं वरना उन्हें एक दिन भी मुख्यमंत्री बने रहने का अधिकार नहीं और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।’’ उपरोक्त जोशीला आह्वान व मांग भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मीडिया प्रभारी, श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला ने पंचकुला में एक भव्य युवा-महिला अधिकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहे।

श्री सुरजेवाला ने सम्मेलन के आयोजकों श्री संजीव शर्मा व महिला कांग्रेस की अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा चौहान व श्रीमती रंजीता मेहता को गांव-गांव जाकर कांग्रेस की अलक जगाने के लिए मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गांव-गांव जाकर खट्टर सरकार की पोल खोल हरियाणा की जनता को जागृत करना है।

मुख्यमंत्री, श्री खट्टर पर सीधा राजनैतिक हमला बोलते हुए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री एक तरफ तो पारदर्शिता चिल्लाते रहे और पर्दे के पीछे नौकरियों की मंडी चलती रही। आज दो- चार बाबुओं को बलि का बकरा बनाकर मुख्यमंत्री झूठी वाह- वाही लूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी मैंने इस मुद्दे को उठाया तो हर बार ‘पकौड़ा भक्तों’ ने मुझ पर व्यक्तिगत हमले किये। कभी पिछली सरकारों का हवाला दिया गया कभी क्षेत्रवाद की दुहाई दी। पर जवाब नहीं दिया। सच यह है कि खट्टर सरकार ने युवाओं से धोखा किया है।

पहला धोखा -
ऐसे- ऐसे लोगों को कर्मचरी चयन आयोग का मेम्बर लगा दिया जिन्हें कोई आंगनवाड़ी वर्कर भी नहीं लगाता। ऐसे लोग स्कूल लेक्चरर और टैक्सेशन इंसपेक्टर के इंटरव्यू ले रहे हैं जो खुद क्लर्क लगने योग्य नहीं।

दूसरा धोखा-
भाजपा सरकार ने झूठा प्रचार किया कि उन्होंने इंटरव्यू के अंक कम करके 12.5ः कर दिए। हकीकत ये थी कि 200 अंक की लिखित परीक्षा पर पहले भी इंटरव्यू 25 अंक का होता था और अब भी 200 अंक का 12.5ः वही 25 अंक बनते हैं।

तीसरा धोखा-
कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन की सेवा नगर पालिका अध्यक्ष की नियुक्ति बदले 80 लाख रुपया मांग की तथाकथित फोन रिकॉर्डिंग खुलेआम सोशल मीडिया में वाइरल हो जाने के बाद भी मुख्यमंत्री ने विधानसभा में सदन को जांच का आश्वासन देकर मामले को दबा दिया।

चौथा धोखा-

कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन की जांच करवाने की बजाय मुख्यमंत्री ने गुपचुप तरीके से उसे 'बैक डेट' में तीन साल का सेवा विस्तार दे दिया।

पाँचवां धोखा-
विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होते रहे। 19 पेपर लीक होने के बावजूद खट्टर सरकार ने मुद्दे को कभी गम्भीरता से नही लिया। जब कभी ज्यादा दबाव आया तो एसआईटी जांच का शिगूफा छोड़कर लीपापोती कर दी गई। ना कभी दोषी पकड़े गए ना कभी न्यायालय के समक्ष सबूत रखे गए। परिणाम ये हुआ कि दलाल अपना खेल खेलते रहे और एचएसएससी को 'क्लीन चिट' मिलती गई।

छठा धोखा-
विभिन्न बहानो से भर्तियां लटकाई गई। आंदोलित युवाओं के साथ बातचीत के बहाने बिचौलिए बनाकर मुख्यमंत्री के एक पूर्व ओएसडी को युवाओं का मसीहा बनाकर पेश किया। सरकार ने भर्तियां जानबूझकर लटकाई इसका सबसे बड़ा प्रमाण ये है कि एक- एक साल से लटकी भर्तियों पर चल रहे सभी मुकद्दमे आपके पूर्व ओएसडी के साथ कैंडिडेट्स की मीटिंग होते ही अगली ही डेट पर निबट जाते रहे हैं।

सातवां धोखा-
भर्तियों में धांधली की अनगिनत शिकायतें आती रहीं। भाजपा सरकार ने कभी भी कैंडिडेट्स की शिकायतों पर ध्यान नही दिया। जब भी लोग भर्तियों से सम्बंधित अपनी शिकायतें लेकर सरकार से मिले आपने उन्हें दुत्कार दिया।

आठवां धोखा-
मोदीजी द्वारा 3 वर्ष पूर्व भर्तियों में इंटरव्यू खत्म करने की घोषणा के बावजूद भाजपा सरकार ने इस व्यवस्था को बनाए रखा। अब जब अधिकतर भर्तियों के इंटरव्यू हो चुके हैं तो सरकार इसे खत्म करने का ढोंग कर रही है।

श्री सुरजेवाला ने कहा कि काहे को मूर्ख बनाते हैं साहेब? मोदी जी के शब्दों में कहूं, तो सबको पता है कि रेनकोट पहनकर स्नान किया जा रहा है और हरियाणा के युवाओं के भविष्य को बेचा जा रहा है।

महिलाओं पर हो रहे निरंतर हमलों, अनाचार व अत्याचार की चर्चा करते हुए, श्री सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा शासन में गैंगरेप व बलात्कार की हो रही निरंतर घटनाओं ने हरियाणा को क्राईम हब बना दिया है। बेटियों से हो रहे अनाचार, छेड़छाड़, वहशीपन और बलात्कार ने पूरी मानवता को शर्मसार किया है। श्री सुरजेवाला ने कहा कि खट्टर सरकार का कानून व्यवस्था से कोई सरोकार नहीं रहा।

सुरजेवाला ने कहा कि राज्य में 2016 में हत्या के 1090, बलात्कार के 1198, सामूहिक बलात्कार के 191 और अपहरण के 4,019 पीड़ित मामले दर्ज हुए, जिसका मतलब है कि प्रदेश में हर रोज लगभग तीन हत्याएं, तीन बलात्कार और 11 अपहरण की घटनाएं घटीं और सबसे अधिक सामूहिक बलात्कार के मामलों में हरियाणा प्रदेश पूरे देश में बदनाम हो गया है।

वहीं प्रदेश में कानून व्यवस्था का दीवाला निकला हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार
अपराधों को रोकने में पूरी तरह से नाकाम रही है। यह सरकार केवल ईवेंट मैनेजमेंट सरकार बनकर रह गई है, प्रदेश में कुछ भी घटित हो रहा हो, इसकी ओर सरकार को कोई ध्यान नहीं। केवल ईवेंट ऑर्गेनाईज़ करके यह सरकार करोड़ों रुपये लगाने में अधिक ध्यान दे रही है।

इस रैली को कांग्रेस पार्टी के अनेकों वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया, जिसमें पूर्व मंत्री, श्री बचन सिंह आर्य; पूर्व मंत्री, श्री राजकुमार वाल्मीकी; पूर्व विधायक, श्री पवन दीवान, पूर्व विधायक, श्री रमेश गुप्ता, पूर्व विधायक, श्री अनिल धंतोरी, पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष, श्री संजय छोकर, पूर्व राष्ट्रीय युवा कांग्रेस महासचिव, श्री वीरेंद्र राठौर, पूर्व विधायक, श्री फूल सिंह खेड़ी, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष, श्री भूपेंद्र सिंह फोगाट, कृषक समाज के प्रदेश अध्यक्ष, श्री ईश्वर नैन, श्री चेतन चौहान, श्री विजय बंसल, श्री रणधीर मलिक, डॉ. राजेंद्र नयन व पंजाब कुरुक्षेत्र तथा हिसार विश्वविद्यालय के अनेकों छात्र नेताओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।